समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

गूगल ने लॉन्च किया अपना सबसे पावरफुल AI मॉडल Gemini 3, चैटजीपीटी के मालिक सैम ऑल्टमैन ने भी दी बधाई

Publisher

Published on 19 Nov 2025

गूगल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया में फिर एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अपना अब तक का सबसे उन्नत, सबसे शक्तिशाली और सबसे समझदार AI मॉडल **Gemini 3** लॉन्च कर दिया है। लंबे समय से इस मॉडल को लेकर टेक जगत में चर्चाएं थीं, और आखिरकार इसके लॉन्च के साथ गूगल ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह AI रेस में फिर से मजबूती के साथ लौट आया है। कंपनी का दावा है कि Gemini 3 उसके पुराने सभी मॉडल्स से कई गुना बेहतर है और ओपनएआई के GPT-5.1 को भी कई बड़े बेंचमार्क टेस्ट में पीछे छोड़ देता है।

Gemini 3 को गूगल ने “नेक्स्ट-जेन इंटेलिजेंस सिस्टम” बताकर पेश किया है। इसका मतलब है कि यह मॉडल सिर्फ सवालों के जवाब देने या सामान्य चैटिंग के लिए नहीं, बल्कि जटिल सोच, समस्या समाधान, कोडिंग, शोध और प्रोजेक्ट प्लानिंग जैसे बड़े कार्यों के लिए भी तैयार किया गया है। यह मॉडल इंसानी दिमाग की तरह “रेशनल थिंकिंग” यानी तार्किक सोच का उपयोग करता है और बड़े कामों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर उन्हें सफलतापूर्वक पूरा करने की क्षमता रखता है।

लॉन्च के बाद AI दुनिया में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की हुई कि चैटजीपीटी के निर्माता और OpenAI के CEO **सैम ऑल्टमैन** ने भी सोशल मीडिया पर गूगल को Gemini 3 के लिए बधाई दी। यह AI इंडस्ट्री के दो बड़े प्रतिद्वंद्वियों के बीच एक दुर्लभ पल था, जिसने टेक कम्युनिटी को चौंकाया भी और उत्साहित भी किया। सैम ऑल्टमैन ने लिखा कि “नई इनोवेशन हमेशा शानदार होती हैं और AI में आगे बढ़ने के लिए सभी कंपनियों का योगदान जरूरी है।” उनका यह बयान इस बात का संकेत भी था कि AI कम्युनिटी में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा जारी है।

गूगल का दावा है कि Gemini 3 ने लगभग हर बड़े टेस्ट में अपने पहले के मॉडल्स को और GPT-5.1 को पीछे छोड़ दिया है। खासकर लॉजिक, मैथ्स, कोडिंग, साइंस रीज़निंग, फाइन-ग्रेड इनस्ट्रक्शन और मल्टीमॉडल क्षमताओं के मामले में यह मॉडल बेहद बेहतर प्रदर्शन करता है। यह न केवल टेक्स्ट, बल्कि इमेज, वीडियो, ऑडियो और कोड को एक साथ समझने और प्रोसेस करने

की क्षमता रखता है। इससे इसकी दक्षता कई क्षेत्रों में बढ़ जाती है, खासकर रिसर्च, प्रोग्रामिंग, डिज़ाइनिंग और डेटा विश्लेषण में।

Gemini 3 की एक बहुत खास विशेषता यह है कि यह बड़े और जटिल प्रोजेक्ट खुद प्लान कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई उपयोगकर्ता उसे एक ऐप डेवलपमेंट का काम दे, तो यह पहले पूरे प्रोजेक्ट का ब्लूप्रिंट बनाएगा, फिर स्टेप-बाय-स्टेप कोड जेनरेट करेगा, टेस्टिंग करेगा, बग फिक्स करेगा और जरूरत पड़ने पर डिजाइन सुझाव भी देगा। यह क्षमता इसे प्रोफेशनल स्तर पर बेहद उपयोगी बनाती है।

गूगल ने इस मॉडल को अधिक रियल-टाइम क्षमता के साथ लॉन्च किया है। इसका मतलब है कि यह इंटरनेट पर उपलब्ध नई जानकारी को तेजी से प्रोसेस और समझ सकता है, जिससे यह अपडेटेड और सटीक उत्तर देने में सक्षम रहता है। AI विशेषज्ञों का मानना है कि Gemini 3 आने वाले समय में रिसर्च, मेडिकल, शिक्षा, विज्ञान और टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में क्रांति ला सकता है।

Gemini 3 की लॉन्चिंग को गूगल के लिए एक रणनीतिक जीत माना जा रहा है, विशेषकर उस दौर में जब AI क्षेत्र में OpenAI और Microsoft लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। यह मॉडल Google Search, YouTube, Google Workspace और Android के इकोसिस्टम में भी बड़ी भूमिका निभाएगा। आने वाले महीनों में इस मॉडल को गूगल की अधिकतर सेवाओं में इंटीग्रेट किया जाएगा, जिससे उपयोगकर्ताओं का अनुभव बिल्कुल बदल जाएगा।

टेक दुनिया पहले ही कह रही है कि Gemini 3 का आगमन AI की नई प्रतिस्पर्धा को और तेज कर देगा। गूगल और ओपनएआई दोनों कंपनियां ऐसे मॉडल विकसित कर रही हैं जो इंसानी सोच के करीब हों। इस बीच Gemini 3 का लॉन्च गूगल के लिए एक मजबूत वापसी है और AI इंडस्ट्री के लिए एक बड़ा संकेत कि आने वाले समय में तकनीकी विकास की रफ्तार और भी तेज होने वाली है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.